Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 10, Issue 01, January-June 2022
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2022

A BIBLIOMETRIC STUDY OF BOOKS PUBLISHED IN TABLA SUBJECT

DR. AMIT KUMAR VERMA

Assistant Professor (Tabla), Dept. of Classical Music, Sangeet Bhawan,
Visva Bharati University, Santiniketan, W.B.

सारांश

तबला विषय को संगीत की संस्थागत शिक्षा में एक स्वतंत्र विषय के रूप में मान्यता मिलने के बाद इसके अद्ध्ययन - अद्ध्यापन का सिलसिला शुरू हुआ. इसी क्रम में तबला विषय पर पुस्तकों के लेखन और प्रकाशन में तेजी आई. जिसका समय के साथ विकास होता चला गया. प्रस्तुत शोध पत्र के माध्यम से वर्ष 1900 से 2022 तक तबला विषय में प्रकाशित पुस्तकों का Bibliometric अध्ययन किया गया है. किस दशक में तबला विषय पर कितनी पुस्तकें प्रकाशित हुई? तबला विषय पर पुरुष लेखकों की तुलना में महिला लेखिकाओं के योगदान का अनुपात क्या है? किस राज्य से सबसे अधिक पुस्तके प्रकाशित हुई है? किस प्रकाशक द्वारा सबसे अधिक पुस्तकें प्रकाशित की गई है? तबला विषय के समानांतर पखावज विषय पर कितने पुस्तकें प्रकाशित हुई है? आदि, प्रश्नों के उत्तर तलाशने का प्रयास प्रस्तुत शोध पत्र में किया है.

प्रविधि: शोध पत्र के लेखन में प्राथमिक स्रोतों से तथ्य संकलित किये गए है तथा परिणाम प्राप्ति हेतु विश्लेषणात्मक विधि का प्रयोग किया गया है.

अध्ययन की सीमाएं: प्रस्तुत शोध पत्र में हिंदी और अंग्रजी भाषाओँ में तबला विषय पर प्रकाशित पुस्तकों का ही अध्ययन किया गया है. अध्ययन के लिए अधिकांश पुस्तकों को संकलित करने का प्रयास किया गया है. कई पुस्तकों के उपलब्ध न होने की दशा में उन्हें अध्ययन में शामिल नहीं किया जा सका है.

मुख्य बिंदु: तबला, पुस्तक, लेखन, प्रकाशन, शिक्षा.

According to Hunt Library, "Bibliometrics is the statistical analyses of books, articles, or other publications. The analyses are used to track author or researcher output and impact. This can help in promotion and tenure, as well as aiding in funding and grants. Bibliometrics are also used to calculate journal impact factors, which can help you decide into which journal to publish."[1]

20 वीं शताब्दी के संगीत उद्धाकों पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर व पं. विष्णु नारायण भातखंडे जी द्वारा संगीत की विद्यालयीन शिक्षा का आरम्भ किया गया तो संगीत शिक्षा के रूप में गायन विषय को सर्वाधिक महत्व दिया गया. गायन विषय को सर्वसुलभ, उपयोगी और समृद्ध बनाने की दृष्टि से प्रबुद्ध गायक वर्ग द्वारा गायन की पुस्तकों का लेखन व प्रकाशन कार्य आरम्भ हुआ. अभी तक संगीत के प्राण, ताल को धारण करने वाले वाद्य तबला को स्वतंत्र विषय के रूप में मान्यता नही मिली थी. उसका अध्ययन – अध्यापन गायन के आनुषांगिक विषय के रूप में ही कराया जा रहा था. विद्यालयों, संस्थानों में तबला वादन के शिक्षण के लिए बड़े-बड़े उस्तादों की नियुक्ति की गई. किन्तु उनकी संकुचित मनोवृत्ति उनके संगीत के शैक्षणिक विकास के मार्ग में अवरोध बनी. उनकी दृष्टि में तबला वादन का क्रियात्मक पक्ष सर्वोपरि था, उसके शास्त्र पक्ष को वो उपेक्षित दृष्टि से देखते थे. इस कारण तबला वादन संबंधित पुस्तकों का लेखन व

1 https://guides.erau.edu/bibliometrics

प्रकाशन बहुत पिछड़ी अवस्था में रहा. कुछ जागरूक संगीत प्रेमियों द्वारा तबले की पुस्तकों का प्रकाशन अवश्य हुआ किंतु पाठकों की संख्या नगण्य होने के कारण उनके यह प्रयास बहुत सफल नही रहे (वर्मा: 2008).

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात सरकार द्वारा संगीत को विद्यालयीन शिक्षा में एक विषय के रूप में स्वीकार किए जाने के पश्चात उसे स्थायित्व प्राप्त हुआ और उससे सम्बंधित पुस्तकों के लेखन व प्रकाशन कार्य में तेजी आई. तबला विषय का अध्ययन व अध्यापन कार्य आरंभ होने से इससे संबंधित पुस्तकों का लेखन व प्रकाशन शुरू हुआ. उत्तरोत्तर प्रगति के क्रम में इसके क्रियात्मक व शास्त्रीय पक्ष पर लेखन कार्य प्रकाश में आने लगा. हिंदी के अतिरिक्त अन्य भाषाओं में भी जैसे अंग्रेजी, बंगला, मराठी, गुजराती आदि में तबले पर पुस्तकें लिखी गई.

संगीत के ग्रंथों पर दृष्टिपात करने से ज्ञात होता है कि विभिन्न कालों में लिखे गए संगीत ग्रंथों में ताल अध्याय का वर्णन ग्रंथकारों द्वारा किया गया मिलता है किन्तु तबला वाद्य सम्बन्धी जानकारी परिवर्ती काल में लिखे गए ग्रंथों में मिलनी शुरू होती है (वर्मा: 2008). वर्तमान में तबले के संदर्भ में जो अनुसंधान हुए हैं उनसे प्रमाणित होता है कि तबला वाद्य का इतिहास लगभग 300 वर्ष से अधिक प्राचीन नहीं है. इन 300 वर्षों में तबला तथा तबला वादकों की स्तिथि संतोषजनक नही रही. उनका शैक्षिक स्तर बहुत कमजोर रहा. सामाजिक प्रतिष्ठा और आर्थिक समानता के मामले में भी अपने सह-कलाकार से काफी पीछे ही थे. संगीत की संस्थागत शिक्षा के सूत्रपात के पश्चात गायन विषय का जैसा विकास शिक्षित गायक वर्ग द्वारा हो रहा था, वैसा तबला विषय में नहीं हुआ. जिस कारण बीसवीं शताब्दी के पूर्व के काल में तबले से संबंधित कोई लेखन कार्य भी प्राप्त नहीं होता.

बीसवीं शताब्दी के आरंभ में तबला विषय पर पुस्तकों का प्रकाशन कार्य आरंभ हुआ. "रिसाले तबला नवाजी" नामक ग्रंथ तबला विषयक प्रकाशित ग्रंथों में उपलब्ध सबसे पुराना ग्रंथ माना जाता है. इसके लेखक मोहम्मद इसहाक है. यह उर्दू भाषा में लिखा गया है. विभिन्न तबला विद्वानों में इस ग्रंथ के रचनाकार व प्रकाशन वर्ष को लेकर मतैक्य नही है परंतु सभी इसके रचनाकार व प्रकाशन वर्ष को 1900 से 1906 ईसवी के मध्य मानते हैं (श्रीवास्तव: 1996). तबला वादन के क्रियात्मक पक्ष को उजागर करते हुए इस ग्रंथ में तबले के अविष्कार, मिलाने की विधि, कुछ पारिभाषिक शब्दावली, अनेक प्रचलित- अप्रचलित तालों के ठेके के अतिरिक्त कतिपय बोलों के निकास की विधि भी वर्णित है.

इस ग्रंथ के पश्चात बीसवीं सदी के 30 व 40 के दशक में तबले पर प्रकाशित पुस्तकें मिलती हैं, यथा श्री मन्नू जी मृदंगाचार्य की 'ताल दीपिका', मुंशी महेंद्र नाथ वर्मा की 'तबला मंजरी', पं. सखाराम जी की 'मृदंग तबला शिक्षा' आदि. यद्यपि इन पुस्तकों की संख्या काफी कम थी परंतु तबले के शिक्षण व उनके विकास के लिए उठाए गए यह महत्वपूर्ण कदम माने जा सकते हैं. स्वतंत्रता के पश्चात तबले की पुस्तकों के प्रकाशन में क्रमशः तेजी आती गई और तबला वादन की कला संगीत की संस्थागत शिक्षा में तबला विषय के रूप में प्रतिष्ठित होने लगी.

अध्ययन की सुविधा की दृष्टि से यहां तबला विषय पर हिंदी और अंग्रेजी भाषाओँ में प्रकाशित पुस्तकों का Chicago Refernce Style में विवरण दिया जा रहा है.

1. Agarwal, Bharti. *Learn How To Play Tabla.* New Delhi: DPB Publication. 2018.
2. Arora, Anju. *Musical Instruments of the World*. Haryana: Shubhi Publications, 2009.

3. Banerjee, Sudhis Chandra. *Tabla, and the World of Indian Rhythms*. Haryana: Shubhi Publications.
4. Betrabet, Prabhakar & Hattangady, Sandeep. *Tihaai: The Quintessence of Indian Percussive Arts.* Mumbai: Popular Prakashan Ltd.
5. Bhavsar, Gourang. *Dr. Aban E.Mistri: An Art Seeker*. New Delhi: Kanishka Publishers Distributors, 2022.
6. Bordoloi, Paban. *The ABC of Tabla Playing*. Guwahati: Rajendra Mohan & Rabindra Mohan on behalf of Chandra Prakash. 2014.
7. Carl, Engel. *Musical Instruments of the World.* Jaipur: Illustrated Book Publishers, 1992.
8. Chakravorty, Sumita. *Instruments in Hindustani Classical Music.* New Delhi: Kanishka Publishers Distributors, 2012.
9. Chisti, S.R. *Compositions of the Great Tabla Maestros*. New Delhi: Kanishka Publishers Distributors, 2016.
10. Chisti, S.R. *Unique Tabla Gats*. New Delhi: Kanishka Publishers Distributors, 2021.
11. Chowdhury, Mukul Roy. *Increasing Popularity of Tabla*. Kolkata: Indus Publishers, 2015.
12. Deep, Prajapati. *The Bandishes of Tabla: An Anthology of Rhythmic Compositions of Teen Tala*. New Delhi: Kanishka Publishers Distributors, 2021.
13. Deep. Prajapati. *The Bandishes of Tabla: An Anthology of Rhythmic Compositions in Teen Tala.* New Delhi: Kanishka Publishers Distributors, 2021.
14. Deva, B. Chaitanya. *Musical Instruments in Sculpture in Karnataka*. Delhi: Indian Institute of Advanced Study, Shimla in association with Motilal Banarasidass, 1989.
15. Deva, B. Chaitanya. *Musical Instruments of India: Their History and Development.* Calcutta: Firma KLM Private Ltd. 1978.
16. Dutta, Krishnendu. *Tukra.* Kolkata: Banglar Puratattva Prakashan. 2021.
17. Gopal, Shreejayanthi Gopal. *Mridangam: An Indian Classical Percussion Drum.* New Delhi: B.R. Rhythms, 2004.
18. Gottlieb, Robert S. *Solo Tabla Drumming of North India*. Delhi: Motilal Banarsidass Publishers, 1993.
19. Jhaveri, Darshana and Devi, Kalavati. *Manipuri Tala Prakas*. Varanasi: Choukhambha Orientalia, 1990.

20. Johri, Renu. *Divine Beats: For UG/PG Entrance in Music Tabla.* New Delhi: Kanishka Publishers Distributors, 2018.
21. Kabir, Nasreen Munni. *Zakir Hussain: A Life in Music*. Uttar Pradesh: Harper Collins Publishers, 2018.
22. Kappuswami, T.V. and Subramanian, T.K. Venkata. *Rhythm in Historical Cognition*. Delhi: Kalinga Publications, 1993.
23. Kaur, Pritam. *Indian Orchestra - Vadya-Vrinda: Origin and Growth*. Delhi: B.R. Rhythm. 2008.
24. Kippen, James. *The Tabla of Lucknow*. New Delhi: Manohar Publishers & Distributors, New Delhi, 2005
25. Matthias, Wegner Gert. *Vintage Tabla Repertory*. Delhi: Munshiram Manoharlal Publishers.
26. Mishra, Vijay Shankar. *Tabla: Rare Compositions of Great Masters*. New Delhi: Kanishka Publishers Distributors, 2014.
27. Misra, Chhote Lal. *Playing Techniques of Tabla: Banaras Gharana*. New Delhi: Kanishka Publishers Distributors, 2007.
28. Moghe, Umesh. *The Origin and Expansion Disciplines of Delhi Tabla.* Pune: Umesh V. Moghe, 2021.
29. Mulgaonkar, Arvind. "Perspective on Research in the Music of Tabla." Published in *Music Research: Perspectives and Prospects,* pp. 86-98, Edited by R.C. Mehta. Bombay & Baroda: Indian Musicological Society, 1995.
30. Naimpalli, Sadanand. *Theory and Practice of Tabla.* Mumbai: Popular Prakashan Private Limited.
31. Saxena, Sudhir Kumar. *The Art of Tabla Rhythm*. New Delhi: Sangeet Natak Academy & D.K. Print word Pvt. Ltd. New Delhi, 2006
32. Sen, A.K. *Indian Concept of Rhythm*. New Delhi: Kanishka Publishers Distributors, 1994.
33. Sengupta, Ashis. *Facets of Tabla Playing*. New Delhi: Kanishka Publishers Distributors, 2011
34. Sengupta, Pradip Kumar. "The Concept of Tala in Music". Published in *Foundations of Indian Musicology*. New Delhi: Abhinav Publications, 1991.
35. Singh, Dayanita. *Zakir Hussain.* New Delhi: Himalayan Books in collaboration with Continental Press, Singapore, 1987

36. Verma, Amit Kumar. *Tabla.Com: Essentials of Tabla Playing*. Varanasi: Pilgrims Publishing, 2010
37. Verma, Sudhir Kumar. *The Art of Tabla Playing.* Uttar Pradesh: Lalit Kala Prakashan, Lucknow, 1999 (second ed.)
38. Vir, Ram Avtar. *Learn to Play on Tabla*. New Delhi: Pankaj Publications, 1977.
39. अग्रवाल, रामदास. तबला ताल संग्रह. इलाहबाद: द्वारका प्रसाद अग्रवाल, 1925 (मूल्य 1रू.).
40. अरोड़ा, प्रियंका एवं कौर, गुरप्रीत. तबला वादन परम्परा में पंजाब एवं दिल्ली घराना. चंडीगढ़: यूनिस्टार बुक्स प्राइवेट लिमिटेड, 2019.
41. आदेश, हरी शंकर. *ताल विवेक.* जीवन ज्योति प्रकाशन. 1977
42. इसहाक़, मुहम्मद. *रिसाल ए तबला नवाजी*. 1900-1906 ई. के मध्य.
43. उद्धव, प्रवीण. "स्वतंत्र तबला वादन: एक विश्लेष्णात्मक अध्ययन." *भारतीय संगीत के नए आयाम* में प्रकाशित, विजय शंकर मिश्रा द्वारा सम्पादित, 145-150, नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2009.
44. उद्धव, प्रवीन. *तबला काव्य के रूप रंग.* वाराणसी: कला प्रकाशन, 2014
45. उद्धव, प्रवीन. *तबला साहित्य.* वाराणसी: कला प्रकाशन, 2015
46. ऋषितोष, कुमार. *तबले का उद्गम एवं दिल्ली घराना.* नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2015
47. कटारा, सुरेश दत्त. *वैशाली ताल प्रकाश पुस्तिका*. उत्तर प्रदेश: संजय पब्लिकेशंस, आगरा, 2000
48. कर्ण, नागेश्वर लाल. *कथक नृत्य के साथ तबला संगति.* नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2001
49. काशीनाथ, अप्पा तुलसी. *अभिनव ताल मंजरी.* उत्तर प्रदेश: संगीत कार्यालय, हाथरस, 1978
50. कुदेशिया, शोभा. *प्राचीन ताल के परिप्रेक्ष्य में वर्तमान तबला वादन*. राधा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2012
51. कुमार, अजय. *पखावज की उत्पत्ति एवं वादन शैलियाँ*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स,, 2010
52. कुमार, अजय. *बनारस घराने के प्रवर्तक पं. राम सहाय जी की तबला वादन परंपरा.* नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2011
53. कुमार, अनिल. *दिल्ली के विशिष्ट कायदों के विभिन्न प्रकार और विस्तार*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स. 2019.
54. कुमारी, अनामिका. *अवनद्ध वाद्यों में ध्वनि विकास.* नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2014.
55. गर्ग, लक्ष्मी नारायण. *संगीत ताल परिचय* (भाग -2). उत्तर प्रदेश: संगीत कार्यालय, हाथरस, 2003 (तृतीय संस्करण).
56. गर्ग, लक्ष्मी नारायण. *संगीत ताल परिचय.* (भाग -1). उत्तर प्रदेश: संगीत कार्यालय, हाथरस, 1997.
57. गुप्ता, गणेश. *बीसवीं सदीं के प्रतिष्ठित तबला वादकों की वादन शैली*, नई दिल्ली: राधा प्रकाशन, 2015.
58. गुप्ता, चित्रा. *संगीत में ताल वाद्यों की उपयोगिता*. नई दिल्ली: राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 1992.
59. गुप्ता, निशि. *ताल शास्त्र का सैद्धांतिक पक्ष*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2010.
60. गुजराती, कृष्ण दास. *मृदंग दीपिका.* अंकित पारिख (सम्पादन) वाराणसी: लुमिनॉस बुक्स. 2021.
61. गुरव, रामचंद्र सखाराम. *तबला मृदंग शिक्षा.* (भाग -1). प्रकाशक: सखाराम रामचंद्र गुरव, 1937.
62. गुरव, रामचंद्र सखाराम. *तबला मृदंग शिक्षा.* (भाग -2). प्रकाशक: सखाराम रामचंद्र गुरव, 1954.
63. गोडबोले, मधुकर गणेश. *तबला शास्त्र*. उत्तर प्रदेश: अशोक प्रकाशन मंदिर, इलाहाबाद, 1955.
64. गोडबोले, मधुकर गणेश. *ताल दीपिका*. उत्तर प्रदेश: अशोक प्रकाशन मंदिर, इलाहाबाद, 1967.

65. गोस्वामी, नन्द यादव. *तबला परिचय*. उत्तर प्रदेश: श्री बलदेव संगीत कार्यालय, बरेली. 1962.
66. गौड, काली चरण. *ताल बोध*. उत्तर प्रदेश: संगीत कार्यालय, हाथरस, 1999.
67. चक्रवर्ती, इन्द्राणी. *स्वर और रागों के विकास में वाद्यों का योगदान*. उत्तर प्रदेश: चौखम्बा ओरियांटालिया, वाराणसी, 1979.
68. चतुर्वेदी, मीरा. *तबला शास्त्रीय अद्ध्ययन*. उत्तर प्रदेश: संकल्प प्रकाशन, आगरा, 1985.
69. चिश्ती, एस.आर. *तबला संचयन: तबला वादन की विषय सामग्री का विश्लेष्णात्मक अद्ध्ययन*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2012.
70. चिश्ती, एस.आर. *तबले में दस अंकों का महत्व*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2013.
71. चिश्ती, एस.आर. *भारतीय तालों में ठेके के विभिन्न स्वरूप*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2014.
72. चौधरी, सीमा. तबला: एक समग्र वाद्य (स्वतंत्र वादन एवं संगति). नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2018.
73. चौधरी, सुभद्रा. *भारतीय संगीत में ताल और रूप विधान: लक्ष्य लक्षण मूलक अद्ध्ययन*. अजमेर: कृष्णा ब्रदर्स, 1984.
74. जोशी, एम. एल. *ताल विज्ञान तबला*. उत्तर प्रदेश: लक्ष्मी संगीत विद्यालय, लखनऊ, 1975.
75. जोशी, नारायण. *आदि ताल थिरकवा शैली*. महाराष्ट्र: नारायण जोशी, डोम्बिवली, ठाणे, 1981.
76. जौहरी, रेनू. *ग्रन्थ सारामृत*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2019.
77. जौहरी, रेनू. *ताल मस्तकिन*. वाराणसी: लुमिनियस पब्लिकेशन. 2018.
78. जौहरी, रेनू. *पद्मभूषण पं. सामताप्रसाद 'गुदई महाराज': व्यक्तित्व, एवं कृतित्व*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2015.
79. जौहरी, सीमा. *ताल: एक ऐतिहासिक यात्रा*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2019.
80. जौहरी, सीमा. *संगीत वैकल्पिक प्रश्नोत्तरी: संगीत 'तबला' विषय की स्नातक/स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षाओं में निःशंक परीक्षा हेतु*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स. 2018.
81. डेंगरे, एकता. *लयकारी शास्त्र*, राधा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2017.
82. तलेगांवकर, केशव रघुनाथ एवं मठकर, दीप्ति. *सुलभ तबला वादन शास्त्र*. (भाग -1). उत्तर प्रदेश: सुलभ संगीत प्रकाशन, आगरा, 1989.

83. तलेगांवकर, केशव रघुनाथ एवं मठकर, दीप्ति. *सुलभ तबला वादन शास्त्र*. (भाग -2). उत्तर प्रदेश: सुलभ संगीत प्रकाशन, आगरा, 1996.

84. तलेगांवकर, केशव रघुनाथ. *सुलभ तबला वादन*. (भाग -1). उत्तर प्रदेश: सुलभ संगीत प्रकाशन, आगरा, 1975.

85. तलेगांवकर. केशव रघुनाथ. *सुलभ तबला वादन*. (भाग -2). उत्तर प्रदेश: सुलभ संगीत प्रकाशन, आगरा, 2000.

86. तिवारी, राम शरण. *ताल शिरोमणि*. (भाग-1,2). उत्तर प्रदेश: श्री राम शरण तिवारी, बांदा, 1963.
87. त्रिपाठी, शिवेंद्र प्रताप. "रवीन्द्र संगीत एवं उसका ताल पक्ष." संगीत सम्प्रति में प्रकाशित, लावण्य कीर्ति सिंह 'काव्या' द्वारा सम्पादित, 84-90, नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2016.
88. त्रिपाठी, शिवेंद्र प्रताप. *तबला विशारद*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2012.
89. त्रिपाठी, शिवेंद्रप्रताप. "रचनाओं में प्रतिबिंबित बनारस का तबला." *भारतीय संगीत के नए आयाम* में प्रकाशित, विजय शंकर मिश्रा द्वारा सम्पादित, 207-217, नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2009.
90. दत्तात्रेय वासुदेव उर्फ़ गुरुदेव पटवर्धन एवं बलवंत राव वैद्ध्य. *तबला मृदंग वादन विधि*. (भाग-1,2,) 1938.
91. दास, पुरुषोत्तम. *मृदंग वादन: नाथ द्वार परम्परा*. नई दिल्ली: संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली, 1983.
92. देव, बी. चैतन्य. *वाद्य यन्त्र*. अनुवादक - अलका पाठक, नई दिल्ली: नेशनल बुक ट्रस्ट, 1993.
93. देवराज, मृदंगाचार्य गोविन्द. *मृदंग तबला वादन सुबोध*. 1944.

94. देवांगन, आशीष. *द्विमुखी अवनद्ध्य वाद्य*. छत्तीसगढ़: इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़, 2017.

95. नारायण, प्रकाश. *तबला प्रवेशिका*. उत्तर प्रदेश: कला प्रकाशन, इलाहाबाद, 1963.

96. निगम, विक्रमादित्य सिंह. *तबला तरंग*. उत्तर प्रदेश: विक्रमादित्य सिंह निगम, लखनऊ, 1952.

97. पखावजी, घनश्याम दास. *मृदंग सागर*. (दृष्टव्य – भारतीय ताल में अनेकता में एकता की खोज, गुलशन सक्सेना, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली). 1911.
98. पटेल, जमुना प्रसाद. *तबला वादन की विस्तार्शील रचनाएँ*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2011.

99. पटेल, जमुना प्रसाद. *तबले की बंदिशे और विस्तार विधि*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2004.

100. पटेल, जमुना प्रसाद. *ताल वाद्य परिचय*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2004.

101. पांडेय, कृतानन्द. *तबला शिक्षण के बदलते आयाम*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2016.

102. पांडेय, विपुल. *पखावज एवं तबला की शिक्षण पद्धति.* नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2014.

103. पांडेय, सुधांशु. *ताल प्रत्यय.* सांस्कृतिक दर्पण, लखनऊ, 2014.

104. पांडेय, सुधांशु. *ताल प्राण.* सांस्कृतिक दर्पण, लखनऊ, 2012.

105. पांडेय, सुधांशु. *ताल रत्नाकर.* सांस्कृतिक दर्पण, लखनऊ, 2013.

106. पाटणकर, रा.गं. *ताल सोपान.* संगीत कला केंद्र, 1976.

107. पारीक, अंकित. *कथक नृत्य और तबल संगति.* नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2019.

108. पाल, तापस. *उत्तर भारतीय संगीत तथा ओडिसी संगीत तालों का मंथन.* नई दिल्ली: आयु पब्लिकेशंस, 2017.

109. भट्ट, नलिन सुन्दरम. "भारतीय संगीत में सृजनशीलता: चुनौती एवं प्रयोग (तबलावादन के सन्दर्भ में)." भारतीय संगीत के नए आयाम में प्रकाशित, विजय शंकर मिश्रा द्वारा सम्पादित, 123-132, नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2009.

110. भार्गव, अंजना. भारतीय संगीत शास्त्रों में वाद्यों का चिंतन. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स. 2009.

111. भार्गव, वंदना. तबला एवं पखावज: ताल वंदन (भाग-1). नई दिल्ली: ब्लू रोज़ पब्लिशर्स. 2018.

112. भाले, मुकुंद. "उत्तर प्रदेश के लोक अवनद्ध वाद्य: एक विहंगावलोकन." *भारतीय संगीत के नए आयाम* में प्रकाशित, विजय शंकर मिश्रा द्वारा सम्पादित, 111-120, नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2009.

113. भावसार, गौरांग. बंदिश-ए-तिनताल. गुजरात: एसेंट पब्लिकेशन, 2012.

114. मईणकर, सुधीर. तबला वादन में निहित सौन्दर्य. सरस्वती पब्लिकेशन, मुम्बई, 2008.

115. मराठे, मनोहर भालचंद्र राव. ताल वाद्य शास्त्र. मध्य प्रदेश: शर्मा पुस्तक सदन, ग्वालियर, 1991.

116. मालवीय, कुहू. मध्यकालीन संगीत ग्रंथों में अवनद्ध वाद्यों का स्वरुप एवं लय-ताल. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स. 2021.

117. मिश्र, उदय शंकर. "संगीत में संगति (ताल वाद्यों की)." *भारतीय संगीत के नए आयाम* में प्रकाशित, विजय शंकर मिश्रा द्वारा सम्पादित, 253-258, नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2009.

118. मिश्र, छोटे लाल. *तबला ग्रन्थ.* नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2006.

119. मिश्र, छोटे लाल. *ताल प्रबंध*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, (प्रथम संस्करण:2006, द्वितीय संस्करण: 2019)

120. मिश्र, छोटे लाल. *ताल प्रसून*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2004.

121. मिश्र, लालमणि. *भारतीय ताल वाद्य*. नई दिल्ली: भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 1973.

122. मिश्र, विजय शंकर. *मनके भाव, सुर, लय* के में प्रकाशित, नई दिल्ली: प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, 2011.

123. मिश्र, विजय शंकर. "बिन करताल पखावज बाजे: अनहद की झंकार." *मनके भाव, सुर, लय* के में प्रकाशित, नई दिल्ली: प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, 2011.

124. मिश्र, विजय शंकर. "मध्यकालीन ग्रंथों में ताल." *मनके भाव, सुर, लय* के में प्रकाशित, नई दिल्ली: प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, 2012.

125. मिश्र, विजय शंकर. "संगीत और छंद." *मनके भाव, सुर, लय* के में प्रकाशित, नई दिल्ली: प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, 2011.

126. मिश्र, विजय शंकर. "संगीत रत्नाकर का ताल अध्याय." *मनके भाव, सुर, लय* के में प्रकाशित, नई दिल्ली: प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, 2012.

127. मिश्र, विजय शंकर. तबला पुराण. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2005.

128. मिस्त्री, अबान ई. तबले की बंदिशें. इलाहाबाद: संगीत सदन प्रकाशन. 2007. (सम्पादन: आचार्य गिरीश चंद्र श्रीवास्तव).

129. मिस्त्री, अबान ई. पखावज और तबले के घराने एवं परम्पराएं. महाराष्ट्र: स्वर साधना समिति, बम्बई, 1984.

130. मुलगांवकर, अरविन्द. *तबला*. वाराणसी: लुमिनॉस बुक्स. 2018.

131. मुलगांवकर, अरविन्द. *यादों की झील*. वाराणसी: लुमिनॉस बुक्स. 2018.

132. मृदंगाचार्य, भगवान् दास एवं 'पागलदास' , राम शंकर. *मृदंग तबला प्रभाकर*. उ.प्र. :संगीत कार्यालय, हाथरस, 1960.

133. मृदंगाचार्य, मन्नू जी. *ताल दीपिका*. (भाग-1,2,3), उत्तर प्रदेश: काशी हिन्दू विश्वविद्यालय[1], प्रकाशन वर्ष क्रमशः1931,1934, 1934

134. मृदंगाचार्य, मन्नूजी. *ताल दीपिका*. (भाग -4). उत्तर प्रदेश: गोपाल मंदिर चौखम्बा, बनारस, 1953.

135. यादव, बी.एल. *तबला प्रकाश*. उत्तर प्रदेश: संगीत सदन प्रकाशन, इलाहबाद, 1994.

136. यादव, बुकाकी लाल. *तबला प्रकाश*. (भाग -1,2,3). उत्तर प्रदेश: संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद, 1999

[1] द्रष्टव्य - वनिता, वेणु. *तबला ग्रन्थ मंजूषा*. पृ. 36

137. राम शंकर 'पागलदास'. *तबला कौमुदी*. मध्य प्रदेश: रामचंद्र संगीतालय, ग्वालियर, 1964

138. राम, सुदर्शन. *तबले के घराने, वादन शैलियाँ एवं बंदिशे*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2008.

139. राय, राम नरेश. *ताल दर्शन मंजरी*. (भाग -1). उत्तर प्रदेश: पाठक पब्लिकेशन, इलाहाबाद, 1987.

140. राय, राम नरेश. *ताल दर्शन मंजरी*. (भाग -2). उत्तर प्रदेश: पाठक पब्लिकेशन, इलाहाबाद, 1998.

141. वनिता, वेणु. *तबला ग्रन्थ मंजूषा*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2004

142. वर्मा, गोविन्द राम. *ताल पुष्पांजलि*. (भाग-1,3). उत्तर प्रदेश: स्वरांजलि प्रकाशन, मथुरा, 1960,1984

143. वर्मा, गोविन्द राम. *ताल पुष्पांजलि*. (भाग-2). उत्तर प्रदेश: अग्रवाल पब्लिशिंग हाउस, मथुरा, 1990.

144. वर्मा, मुंशी भृगुनाथ लाल. *ताल मंजरी* (भाग-2,3). बलिया, कलकत्ता बड़ा बाज़ार. 1930

145. वर्मा, मुंशी महेन्द्र नाथ मृदंगाचार्य. *तबला मंजरी*. उत्तर प्रदेश: मुंशी लाल वर्मा, गाजीपुर,1942.

146. वशिष्ठ, सत्यनारायण. *अप्रचलित क़ायदे और गतें*. उत्तर प्रदेश: संगीत कार्यालय, हाथरस, 1959.

147. वशिष्ठ, सत्यनारायण. *कायदा और पेशकार*. उत्तर प्रदेश: संगीत कार्यालय, हाथरस, 1967.

148. वशिष्ठ, सत्यनारायण. *तबला कैसे बजाए*. उत्तर प्रदेश: खाई तबेला, हाथरस, 1967.

149. वशिष्ठ, सत्यनारायण. *तबले पर दिल्ली और पूरब*. उत्तर प्रदेश: संगीत कार्यालय, हाथरस, 1957.

150. वशिष्ठ, सत्यनारायण. *ताल मार्तंड*. उत्तर प्रदेश: संगीत कार्यालय, हाथरस, 1977.

151. वशिष्ठ, सत्यनारायण. *हाई स्कूल तबला शिक्षा*. उत्तर प्रदेश: खाई तबेला, हाथरस, 1967.

152. वासुदेव, दत्तात्रय. *मृदंग-तबला वादन पद्धति*. नई दिल्ली: संगीत नाटक अकादमी, (प्रथम संस्करण-1903, द्वितीय संस्करण-1938, रीप्रिंट-1982, मूल्य 7.50/-), 1903.

(5 मई 1901 में पलुस्कर जी द्वारा लाहौर में स्थापित गन्धर्व संगीत महाविद्यालय में दत्तात्रय वासुदेव उर्फ़ गुरुदेव पटवर्धन जी उप-प्राचार्य के रूप में नियुक्त थे. इस पुस्तक के दुर्लभ होने के उपरांत पटवर्धन जी के शिष्य और भतीजे पद्मभूषण पं. विनायक रावजी पटवर्धन ने 1938 में इसका पुनः प्रकाशन कराया.)

153. शुक्ला, श्रीकांत. *तबले का लखनऊ घराना और उस्ताद आफ़ाक़ हुसैन खां*, नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2018

154. श्रीवास्तव, कविता. *संगीत में ताल की ऐतिहासिकता, महत्व एवं आवश्यकता*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2019

155. श्रीवास्तव, गिरीश चन्द्र. *तबला वादन*. उत्तर प्रदेश: संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद,1970.

156. श्रीवास्तव, गिरीश चन्द्र. *ताल कोश*. उत्तर प्रदेश: रूबी प्रकाशन, इलाहबाद, 1996.

157. श्रीवास्तव, गिरीश चन्द्र. *ताल परिचय*. (भाग – 1,2,3). उत्तर प्रदेश: रूबी प्रकाशन, इलाहबाद, 1965, 1989, 1999.

158. श्रीवास्तव, गिरीश चन्द्र. *ताल प्रभाकर प्रश्नोत्तरी*. उत्तर प्रदेश: संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद, 1971.

159. श्रीवास्तव, गिरीश चन्द्र. *ताल प्रवेशिका*. उत्तर प्रदेश: श्रीराम मेहरा एंड कंपनी, आगरा, 1967.

160. श्रीवास्तव, गिरीश चन्द्र. *लय ताल विचार मंथन*. रूबी प्रकाशन, इलाहबाद, 2010.

161. श्रीवास्तव, शुभा. *उत्तर भारतीय तालों में छंद, रस और सौन्दर्य तत्व*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2013.

162. श्रीवास्तव, सुनीता. *तबला वादन की तकनीकी एवं सौन्दर्य पक्ष*. अनुभव पब्लिशिंग हाउस, इलाहबाद, 2011.

163. संध्या. *भारतीय संगीत में ताल वाद्यों का महत्व*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स. 2021.

164. सक्सेना, गुलशन. *भारतीय ताल में अनेकता में एकता की खोज*. राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2006.

165. सक्सेना, वसुधा. "ताल लिपि में सरलता, सूक्ष्मता एवं वैज्ञानिकता का समावेश." *भारतीय संगीत के नए आयाम* में प्रकाशित, विजय शंकर मिश्रा द्वारा सम्पादित, 261-275, नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2009.

166. सक्सेना, वसुधा. *ताल के लक्षण स्वरुप में एकरूपता*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2006

167. सरल, भीमसेन. *तबला संगत एवं कलाकार: स्थान, स्तिथि और योगदान*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2014.

168. सिंह, प्रेम नारायण. *ना धिं धिं ना के जादूगर पं. अनोखे लाल मिश्र*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2004.

169. सिंह, प्रेम नारायण. *बनारस घराने के तबला वादन में मुखड़ा*. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2011.

170. सेन, अरुण कुमार. *भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन*. मध्य प्रदेश: मध्य प्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 1973.

निष्कर्ष

उपरोक्त आकड़ों का अध्ययन करने से निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त होते है

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 10, Issue 01, January-June 2022
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2022

- तबला विषय की पुस्तकों के प्रकाशन में पचास के दशक से लेकर वर्ष 2022 तक क्रमिक विकास दृष्टिगत होता है. 2010 से 2019 तक तबला विषय पर सबसे अधिक पुस्तकों का प्रकाशन हुआ है. इसका मुख्य कारण तबला विषय के शैक्षिक पदों पर नियुक्ति के लिए पी.एच.डी. की अनिवार्यता का होना माना जा सकता है.

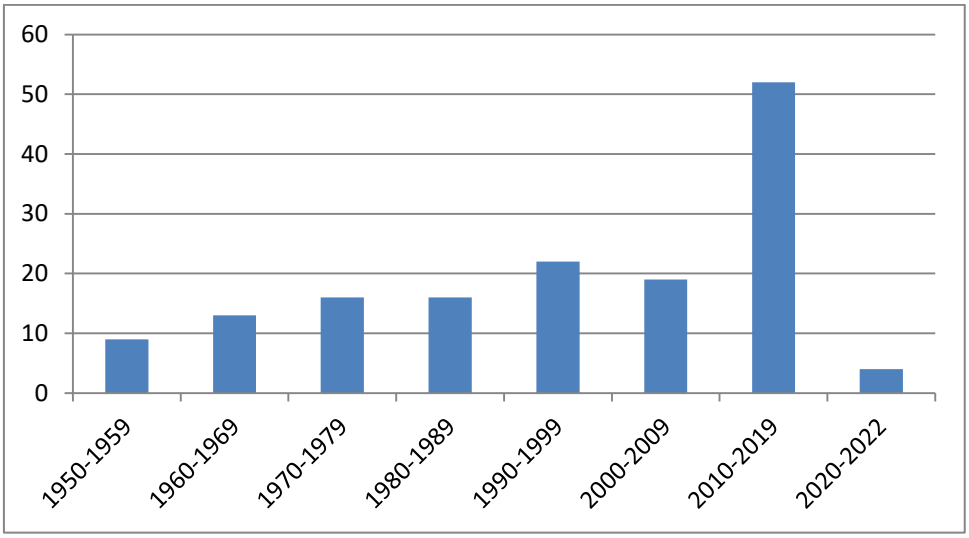

तबला विषय की पुस्तकों के प्रकाशन का क्रमिक विकास

- पुरुष लेखकों की तुलना में महिला लेखकों का अनुपात काफी कम है. 80 के दशक से महिला लेखकों द्वारा पुस्तकीय कार्य प्राप्त होता है, उससे पहले तबला विषय में लेखन सिर्फ पुरुषों द्वारा ही किया जा रहा था. अनुमानित आकड़ों के अनुसार हिंदी और अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित तबला विषय की पुस्तकों में जहां पुरुष लेखकों द्वारा 145 पुस्तकें लिखी गई वहीं महिला लेखिकाओं द्वारा मात्र 30 पुस्तकें ही प्रकाशित की गयी मिलती है.

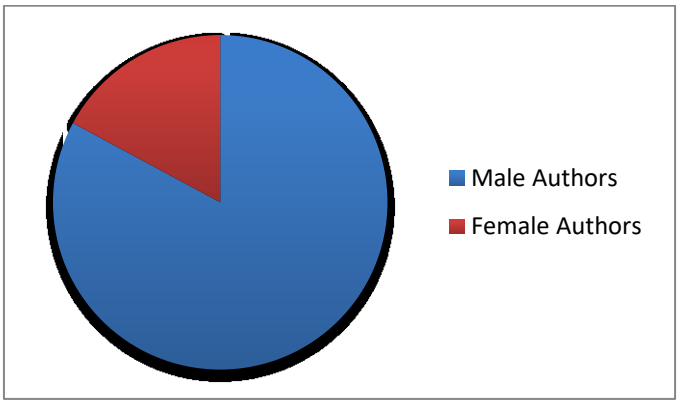

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 10, Issue 01, January-June 2022
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2022

- प्रकाशकों की दृष्टि से देखे तो लगभग 90 के दशक से कनिष्क प्रकाशन, नई दिल्ली द्वारा तबला विषय की पुस्तकों का प्रकाशन किया जा रहा है. इसके अतिरिक्त संगीत कार्यालय हाथरस द्वारा तबला विषय पर कई पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है. वर्तमान में कनिष्क प्रकाशन, नई दिल्ली द्वारा तबला विषय पर सबसे अधिक लगभग 50 से अधिक पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है.
- तबला विषय पर सबसे अधिक पुस्तकें नई दिल्ली से, उसके बाद उत्तर प्रदेश के विभिन्न नगरों से प्रकाशित हुई है.
- शुरुआती दौर में विभिन्न राज्यों के माध्यमिक शिक्षा परिषद् तथा विभिन्न मान्यता प्राप्त संगीत महाविद्यालयों के तबला पाठ्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए लेखकों ने ताल व तबला विषय पर कई पुस्तकें लिखी, साथ ही तबला वादन के सैद्धांतिक पक्ष की तुलना में क्रियात्मक पक्ष पर अधिक पुस्तके प्रकाशित हुई है.
- पखावज विषय पर लेखन कार्य तबला विषय की तुलना में काफी कम हुआ है, इसका मुख्य कारण संगीत संस्थाओं में पखावज विषय की शिक्षा का न होना माना जा सकता है. हालांकि शुरुआती दौर में कई पखावज वादकों द्वारा पखावज और तबला विषय पर पुस्तकें लिखी गयी है, जैसे - दत्तात्रय वासुदेव उर्फ़ गुरुदेव पटवर्धन द्वारा 'मृदंग-तबला वादन पद्धति' (1903), घनश्याम दास पखावजी द्वारा 'मृदंग सागर' (1911), पं. सखाराम रामचंद्र गुरव द्वारा 'मृदंग तबला शिक्षा' (1947), भगवान् दास मृदंगाचार्य एवं राम शंकर 'पागलदास' द्वारा 'मृदंग तबला प्रभाकर' (1960), कालांतर में अबान ई. मिस्त्री द्वारा 'पखावज और तबले के घराने एवं परम्पराएं' (1984), टी. आर. शुक्ल द्वारा 'ताल तरंगिणी एवं मृदंग वादन' (1997), अजय कुमार द्वारा 'पखावज की उत्पत्ति एवं वादन शैलियाँ' (2010) आदि पुस्तकें लिखी गई.

SUGGESTIONS FOR FURTHER STUDIES

प्रस्तुत शोध पत्र में केवल हिंदी और अंग्रेजी भाषा में तबला विषय पर प्रकाशित पुस्तकों का ही Bibliometric अध्ययन किया गया है. भविष्य में बांग्ला, मराठी, गुजराती आदि भाषाओँ में भी प्रकाशित तबला विषय की पुस्तकों का Bibliometric अध्ययन किया जाना चाहिए ताकि समग्र रूप से तबला विषय में प्रकाशित पुस्तकों का अध्ययन किया जा सके. इससे विषय के विकास में मदद मिलेगी.

सन्दर्भ

अग्रवाल, रामदास. तबला ताल संग्रह. इलाहबाद: द्वारका प्रसाद अग्रवाल, 1925.

मृदंगाचार्य, भगवान् दास एवं 'पागलदास', राम शंकर. मृदंग तबला प्रभाकर. उ.प्र. :संगीत कार्यालय, 1960.

राम शंकर 'पागलदास'. तबला कौमुदी. मध्य प्रदेश: रामचंद्र संगीतालय, ग्वालियर, 1964.

वनिता, वेणु. तबला ग्रन्थ मंजूषा. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2004.

वर्मा, अमित कुमार. स्वतन्त्रता के पश्चात् उत्तर प्रदेश में तबला वादन की संस्थागत शिक्षण प्रणाली का समीक्षात्मक अध्ययन (अप्रकाशित शोध प्रबंध), भातखण्डे संगीत संस्थान विश्वविद्यालय, लखनऊ, 2008.

वर्मा, मुंशी महेन्द्र नाथ मृदंगाचार्य. तबला मंजरी. उत्तर प्रदेश: मुंशी लाल वर्मा, गाजीपुर,1942.

श्रीवास्तव, गिरीश चंद्र. ताल कोश. इलाहाबाद: रूबी प्रकाशन, 1996.

https://guides.erau.edu/bibliometrics